सामवेद – संहिता

सामवेद संहिता पूर्वार्चिकः

	Qn#	Code	प्रपाठ	खण्डः	Description
Āgneyam	1	PAG	1	1	अ꣢ग्न꣣ आ꣡ या꣢हि वी꣣त꣡ये꣢ गृणा꣣
	2	PAG	1	2	न꣡म꣢स्ते अग्न꣣ ओ꣡ज꣢से गृ꣣ण꣡न्त
	3	PAG	1	3	अ꣣ग्निं꣡ वो꣢ वृ꣣ध꣡न्त꣢मध्व꣣रा꣡
	4	PAG	1	4	य꣣ज्ञा꣡य꣢ज्ञा वो अ꣣ग्न꣡ये꣢ गि꣣
	5	PAG	1	5	ए꣣ना꣡ वो꣢ अ꣣ग्निं꣡ नमसो꣣र्जो꣡
	6	PAG	1	6	दे꣣वो꣡ वो꣢ द्रविणो꣣दाः꣢ पू꣣र्ण
	7	PAG	1	7	आ꣡ जु꣢होता ह꣣वि꣡षा꣢ मर्ज꣣य꣢ध्वं
	8	PAG	1	8	अ꣡बो꣢ध्य꣣ग्निः꣢ स꣣मि꣢धा꣣ ज꣡ना꣢
	9	PAG	1	9	अ꣢ग्न꣣ ओ꣡जि꣢ष्ठ꣣मा꣡ भ꣢र द्यु꣣म
	10	PAG	1	10	सो꣢म꣣ꣳ रा꣡जा꣢न꣣ व꣡रु꣢णम꣣ग्नि꣢
	11	PAG	1	11	पु꣣रु꣡ त्वा꣢ दाशि꣣वा꣡ꣳ वो꣢चे꣣ऽ
	12	PAG	1	12	प्र꣡ मꣳहिष्ठाय गायत ऋ꣣ता꣡व्ने

	Qn#	Code	प्रपाठ	खण्डः	Description
Bahusāmī	13	PBA	2	1	त꣡द्वो꣢ गाय सु꣣ते꣡ सचा पुरुहू
	14	PBA	2	2	उद्धे꣣द꣢भि श्रु꣣ता꣡म꣢घं वृष꣣भ
	15	PBA	2	3	इ꣣हे꣡व꣢ शृण्व एषा꣣ क꣢शा꣣ ह꣡स्
	16	PBA	2	4	अ꣡पा꣢दु शि꣣प्र्य꣡न्ध꣢सः सु꣣द꣡क
	17	PBA	2	5	पा꣢न्त꣣मा꣢ वो꣣ अ꣡न्ध꣢स꣣ इ꣡न्द्
	18	PBA	2	6	इ꣣द꣡ꣳ ह्यन्वोजसा सु꣣त꣡ꣳ रा꣢धा
Ekasāmī	19	PEK	2	7	ई꣣ङ्ख꣡य꣢न्तीरप꣣स्यु꣢व꣣ इ꣡न्द्र
	20	PEK	2	8	य꣡ꣳ रक्षन्ति꣣ प्र꣡चे꣢तसो꣣ व꣡र
	21	PEK	2	9	उ꣡त्त्वा꣢ मन्दन्तु꣣ सो꣡माः꣢ कृ
	22	PEK	2	10	त꣣र꣡णि꣢ वो꣣ ज꣡ना꣢नां त्र꣣द꣡
	23	PEK	2	11	आ꣢ व꣣ इ꣢न्द्र꣣ कृ꣢वि꣣ य꣡था꣢ व
	24	PEK	2	12	अ꣡ती꣢हि मन्युषा꣣वि꣡ण꣢ꣳ सुषु꣣वा

सामवेद संहिता पूर्वार्चिकः

	Qn#	Code	प्रपाठ	खण्डः	Description
	25	PBR	3	1	अ꣣भि꣡ त्वा꣢ शूर नोनु꣣मो꣡ऽदु꣢ग्
	26	PBR	3	2	न꣢ कि꣣ष्ट꣡ कर्मणा नश꣣द्य꣢श्च
	27	PBR	3	3	श꣣ग्ध्यू꣢३षु꣡ श꣢चीपत꣣ इ꣢न्द्र꣣
	28	PBR	3	4	स꣣त्य꣢मि꣣त्था꣡ वृषेदसि꣣ वृ꣡ष꣢
	29	PBR	3	5	यो꣡ राजा चर्षणी꣣नां याता꣣ र꣡
Bṛhatī	30	PBR	3	6	इ꣣त꣢ ऊ꣣ती꣡ वो꣢ अ꣣ज꣡र꣢ प्रहे꣣त
	31	PBR	3	7	इ꣣म꣡ इन्द्राय सुन्वि꣣रे सो꣡मा
	32	PBR	3	8	प्र꣡त्यु꣢ अदर्श्याय꣣त्यू꣢ऽ३च्छ
	33	PTR	3	9	अ꣡सा꣢वि दे꣣वं꣡ गोऋजीक꣣म꣢न्धो
	34	PTR	3	10	अ꣡व꣢ द्र꣣प्सो꣡ अ꣢ꣳशु꣣म꣡ती꣢म꣡ति
	35	PTR	3	11	त्य꣢मू꣣ षु꣢ वा꣣जि꣡नं꣢ दे꣣व꣡जू꣢
Anuṣṭup	36	PAU	3	12	गा꣡य꣢न्ति त्वा गाय꣣त्रि꣡णोऽर्च

	Qn#	Code	प्रपाठ	खण्डः	Description
	37	PAU	4	1	प्र꣡त्य꣢स्मै꣣ पि꣡पी꣢षते꣣ वि꣡श्
Anuṣṭup	38	PAU	4	2	प्र꣡प्र꣢ वस्त्रि꣣ष्टु꣢भ꣣मि꣡ष꣢
	39	PAU	4	3	वि꣢श्वाः꣣ पृ꣡त꣢ना अभि꣣भू꣡त꣢र꣣
	40	PIN	4	4	इ꣡न्द्र꣢ सु꣣ते꣢षु꣣ सो꣡मे꣢षु꣣ क
	41	PIN	4	5	गृ꣣णे꣡ तदिन्द्र ते꣣ श꣡व꣢ उप꣣म
	42	PIN	4	6	अ꣣भ्रातृव्यो꣢ अ꣣ना꣡ त्वमनापिर
	43	PIN	4	7	स्वा꣣दो꣢रि꣣त्था꣡ वि꣢षू꣣व꣢तो꣣ म
Indrapuccam	44	PIN	4	8	आ ते꣢ अग्न इधीमहि द्यु꣣मन्त꣢
	45	PIN	4	9	प꣢रि꣣ प्र꣢ ध꣣न्वेन्द्रा꣢य सोम
	46	PIN	4	10	वि꣡श्व꣢तोदावन्वि꣣श्व꣡तो꣢ न꣣ आ꣡
	47	PIN	4	11	अ꣡चे꣢त्य꣣ग्नि꣡श्चिकितिर्हव्य꣣
	48	PIN	4	12	त्रि꣡क꣢द्रुकेषु महि꣣षो꣡ यवाशि

सामवेद संहिता पूर्वार्चिकः

	Code	Qn#	प्रपाठ	खण्डः	Description
Pavamānam	PPA	49	5	1	उ꣣च्चा꣡ ते꣢ जा꣣त꣡मन्धसो दि꣣वि
	PPA	50	5	2	प्र꣡ सोमासो मद꣣च्यु꣢तः꣣ श्र꣡व
	PPA	51	5	3	उ꣢पो꣣ षु꣢ जा꣣त꣢म꣣प्तु꣢र꣣ गो꣡भ
	PPA	52	5	4	अ꣡चि꣢क्रद꣣द्वृ꣢षा꣣ ह꣡रि꣢र्म꣣हा
	PPA	53	5	5	पु꣣नानः꣡ सो꣢म꣣ धा꣡र꣢या꣣पो꣡ वसा
	PPA	54	5	6	प्र꣡ तु द्र꣣व प꣢रि꣣ को꣢श꣣ नि
	PPA	55	5	7	प्र꣡ से꣢ना꣣नीः शूरो꣣ अ꣢ग्रे꣣
	PPA	56	5	8	पु꣣रो꣡जि꣢ती वो꣣ अ꣡न्ध꣢सः सु꣣ता
	PPA	57	5	9	अ꣣भि꣢ प्रि꣣या꣡णि꣢ पवते꣣ च꣡नो꣢ह
	PPA	58	5	10	इ꣢न्द्र꣣म꣡च्छ꣢ सु꣣ता꣢ इ꣣मे꣡ वृ
	PPA	59	5	11	प꣡व꣢स्व꣣ म꣡धु꣢मत्तम꣣ इ꣡न्द्रा꣢

	Qn#	Code	प्रपाठ	खण्डः	Description
Arkaparva	60	PAK	6	1	इ꣢न्द्र꣣ ज्ये꣡ष्ठ꣢ न꣣ आ꣡ भ꣢र꣣
Dvandvaparva	61	PUDV	6	2	त्व꣢मे꣣त꣡द꣢धारयः कृ꣣ष्णा꣢सु꣣ र
Vrataparva	62	PVR	6	3	म꣢यि꣣ व꣢र्चो꣣ अ꣢थो꣣ य꣡शोऽथो य
	63	PVR	6	4	भ्रा꣡ज꣢न्त्यग्ने समिधान दीदिवो
Śukriyaparva	64	PSU	6	5	अ꣢ग्न꣣ आ꣡यू꣢ꣳषि पव꣣स आ꣢सु꣣वो꣢र
Mahānāmni	65	PMA	6	6	वि꣣दा꣡ म꣢घवन् वि꣣दा꣢ गा꣣तु꣡मनु

PARANKUSHACHAR INSTITUTE
OF
VEDIC STUDIES (REGD.)

ब्राह्मणेभ्यो वेदविद्भ्यो दिवेदिवे नमस्कुर्यात् ।

नम ऋषिभ्यः पूर्वजेभ्यः पूर्वेभ्यः पथिकृद्भ्यः।

सामवेद संहिता उत्तरार्चिकः

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग दशरात्र	66	UDA	1	1	उ꣡पा꣢स्मै गायता नरः꣣ प꣡व꣢माना꣣
	67	UDA	1	2	अ꣢ग्न꣣ आ꣡ या꣢हि वी꣣त꣡ये꣢ गृणा꣣
	68	UDA	1	3	उ꣣च्चा꣡ ते꣢ जा꣣त꣡मन्धसो दि꣣वि
	69	UDA	1	4	अ꣣भि꣡ त्वा꣢ शूर नोनु꣣मो꣡ऽदु꣢ग्
	70	UDA	1	5	स्वा꣡दि꣢ष्ठया꣣ म꣡दि꣢ष्ठया꣣ प꣡व
	71	UDA	1	6	य꣣ज्ञा꣡य꣢ज्ञा वो अ꣣ग्न꣡ये꣢ गि꣣
	72	UDA	2	1	पा꣢न्त꣣मा꣢ वो꣣ अ꣡न्ध꣢स꣣ इ꣡न्द्
	73	UDA	2	2	अ꣣य꣡ त꣢ इन्द्र꣣ सो꣢मो꣣ नि꣡पू꣢
	74	UDA	2	3	इ꣣द꣡ꣳह्यन्वोजसा सु꣣त꣡ꣳरा꣢धाना
	75	UDA	2	4	ए꣣ना꣡ वो꣢ अ꣣ग्नि꣡ नमसो꣣र्जो꣡
	76	UDA	2	5	अ꣣स्य꣢ प्र꣣त्नामनु꣣ द्यु꣡त꣢ꣳ
	77	UDA	2	6	प्र꣡ सोमासो विप꣣श्चि꣢तो꣣ऽपो꣡
	78	UDA	3	1	प꣡व꣢स्व वा꣣चो꣡ अ꣢ग्रि꣣यः꣡ सोम
	79	UDA	3	2	अ꣣ग्नि꣢ दू꣣त꣡ वृ꣢णीमहे꣣ हो꣡त
	80	UDA	3	3	वृ꣡षा꣢ पवस्व꣣ धा꣡र꣢या म꣣रु꣡त्व

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग दशरात्र	81	UDA	3	4	त्वा꣡मिद्धि हवामहे सा꣣तौ꣡ वाज
	82	UDA	3	5	य꣢स्ते꣣ म꣢दो꣣ व꣡रे꣢ण्य꣣स्ते꣡ना
	83	UDA	3	6	ए꣣वा꣡ ह्यसि वीर꣣यु꣢रे꣣वा꣡ शूर
	84	UDA	4	1	ए꣣त꣡ अ꣢सृग्र꣣मि꣡न्द꣢वस्ति꣣रः꣢
	85	UDA	4	2	अ꣣ग्नि꣢ना꣣ग्निः꣡ समिध्यते क꣣व
	86	UDA	4	3	अ꣣भि꣡ सोमास आ꣣य꣢वः꣣ प꣡व꣢न्ते꣣
	87	UDA	4	4	य꣡द्द्याव इन्द्र ते श꣣त꣢ꣳश꣣तं
	88	UDA	4	5	ति꣣स्रो वाच꣣ उ꣡दी꣢रते꣣ गा꣡वो꣢
	89	UDA	4	6	प्र꣡ मꣳहिष्ठाय गायत ऋ꣣ता꣡व्ने꣢
	90	UDA	5	1	प्र꣢ त꣣ आ꣡श्वि꣢नीः पवमान धे꣣न꣡
	91	UDA	5	2	आ꣣शु꣡र꣢र्ष बृहन्मते꣣ प꣡रि꣢ प्र
	92	UDA	5	3	ज꣡न꣢स्य गो꣣पा꣡ अ꣢जनिष्ट꣣ जा꣡गृ
	93	UDA	5	4	प꣡व꣢स्व द꣣क्षसा꣡ध꣢नो दे꣣वे꣡भ्य
	94	UDA	5	5	पि꣢बा꣣ सो꣡म꣢मिन्द्र꣣ म꣡द꣢न्तु
	95	UDA	5	6	प꣡रि꣢ प्रि꣣या꣢ दि꣣वः꣢ क꣣वि꣡र्व

सामवेद संहिता उत्तरार्चिकः

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग दशरात्र	96	UDA	6	1	गोविंत्पवस्व वसुविद्धिरण्
	97	UDA	6	2	प्र कविर्देववीतयेऽव्या
	98	UDA	6	3	तव श्रियो वकष्यस्येव वि
	99	UDA	6	4	अर्षा सोम द्युमत्तमोऽभि
	100	UDA	6	5	इन्द्रो मदाय वावृधे शवस
	101	UDA	6	6	असाव्यंशुर्मदायाप्सु दक
	102	UDA	6	7	आ ते अग्न इधीमहि द्युमन्तं
	103	UDA	7	1	ज्योतिर्यज्ञस्य पवते मध
	104	UDA	7	2	सना च सोम जेषि च पवमान
	105	UDA	7	3	प्रति वां सूर उदिते मित
	106	UDA	7	4	इन्द्रायेन्दो मरुत्वते प
	107	UDA	7	5	रेवतीर्नः सधमाद इन्द्रे
	108	UDA	7	6	परि स्वानो गिरिष्ठाः प
	109	UDA	7	7	अग्ने त्व नो अन्तम उत
	110	UDA	8	1	प्र काव्यमुशनेव ब्रुवाणो

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग दशरात्र	111	UDA	8	2	असृग्रमिन्दवः पथा धर्म
	112	UDA	8	3	मूर्धानं दिवो अरतिं पृ
	113	UDA	8	4	प्रो अयासीदिन्दुरिन्द्र
	114	UDA	8	5	सखाय आ नि षीदत पुनानाय
	115	UDA	8	6	आ ते वत्सो मनो यमत्परमा
	116	UDA	9	1	शिशुं जज्ञानं हर्यतं मृ
	117	UDA	9	2	सोमः पुनानो अर्षति सहस्
	118	UDA	9	3	सोमा असृग्रमिन्दवः सुता
	119	UDA	9	4	उत्ते शुष्मास ईरते सिन्ध
	120	UDA	9	5	अया वीती परि स्रव यस्त
	121	UDA	9	6	अग्निं वो देवमग्निभिः
	122	UDA	9	7	अध्वर्यो अद्रिभिः सुतं
	123	UDA	9	8	पवस्व देव आयुषगिन्द्रं
	124	UDA	9	9	प्रेष्ठं वो अतिथिं स्तु
	125	UDA	10	1	अक्रान्त्समुद्रः प्रथमे

सामवेद संहिता उत्तरार्चिकः

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग दशरात्र	126	UDA	10	2	ए꣣षे꣢ धि꣣या꣢ या꣣त्य꣢ण्व्या꣣ शू꣢
	127	UDA	10	3	ए꣣षे꣢ उ꣣ स्य वृषा꣣ रथोऽव्या꣣
	128	UDA	10	4	ए꣣षे꣢ वा꣣जी꣢ हि꣣तो꣡ नृभिर्विश्
	129	UDA	10	5	ए꣣षे꣢ क꣣वि꣢र꣣भि꣡ष्टु꣢तः प꣣वि꣢त्
	130	UDA	10	6	स꣢ सु꣣तः꣢ पी꣣त꣢ये꣣ वृ꣢षा꣣ सो꣡म
	131	UDA	10	7	यः꣡ पा꣢वमा꣣नी꣢र꣣ध्ये꣡त्यृषिभि
	132	UDA	10	8	अ꣡ग꣢न्म म꣣हा꣡ नमसा꣣ य꣡वि꣢ष्ठं
	133	UDA	10	9	प꣡व꣢मानस्य꣣ जि꣡घ्न꣢तो꣣ ह꣡रे꣢श्
	134	UDA	10	10	श्रा꣡य꣢न्त इव꣣ सू꣢र्य꣣ वि꣡श्व
	135	UDA	10	11	त्व꣡ꣳ सो꣢मासि धा꣣र꣢यु꣣र्म꣡न्द्र
	136	UDA	10	12	आ꣢ घा꣣ ये꣢ अ꣣ग्नि꣢मि꣣न्ध꣡ते꣢ स
	137	UDA	11	1	सु꣡षे꣢मिद्धो न꣣ आ꣡ व꣢ह दे꣣वा꣡ꣳ
	138	UDA	11	2	आ꣡ जागृ꣣वि꣢र्वि꣡प्र꣢ ऋ꣣ता꣢ म꣢
	139	UDA	11	3	सू꣡र्य꣢स्येव र꣣श्म꣡यो꣢ द्रावयि
ऊह.ग संवत्सर	140	USAM	12	1	उ꣣पप्रय꣡न्तो꣢ अध्व꣣र꣡ मन्त्रं
ऊह.ग संवत्सर	141	USAM	12	2	अ꣡ग्ने꣢ यु꣣ङ्क्ष्वा꣡ हि ये तवा
	142	USAM	12	3	अ꣣ग्नि꣢र्वृ꣣त्रा꣡णि꣢ जङ्घनद्
	143	USAM	12	4	अ꣣ग्ने꣡ स्तोमं मनामहे सि꣣ध्र꣢
	144	USAM	12	5	य꣡म꣢ग्ने पृ꣣त्सु म꣣र्त्य꣢म꣣वा
	145	USAM	12	6	अ꣣भि꣢ वा꣣यु꣢ वीत्यर्षा गृणा
	146	USAM	13	1	प꣡व꣢स्व वृ꣣ष्टिमा सु नो꣣ऽपा꣢म
	147	USAM	13	2	ब꣣भ्र꣢वे꣣ नु꣡ स्वतवसेऽरु꣣णा꣡य
	148	USAM	13	3	वि꣣भ्रा꣢ड् बृ꣣ह꣡त्पि꣢बतु सो꣣म्
	149	USAM	13	4	ज꣣नी꣢य꣣न्तो꣣ न्व꣡ग्र꣢वः पु꣣त्री꣣
	150	USAM	13	5	अ꣣य꣡ꣳ सोम इन्द्र꣣ तु꣡भ्य꣢ꣳसुन
ऊह.ग एकाह	151	UEK	13	6	आ꣢ सु꣣ते꣡ सि꣢ञ्च꣣त श्रि꣢य꣣ꣳरो꣡
	152	UEK	14	1	अ꣣भि꣡ प्र गोपतिं गि꣣रे꣡न्द्र꣢
	153	UEK	14	2	अ꣢ग्ने꣣ वि꣡श्वे꣢भिर꣣ग्नि꣢भि꣣र्
	154	UEK	14	3	दे꣣वो꣡ वो꣢ द्रविणो꣣दाः꣢ पू꣣र्ण
	155	UEK	14	4	अ꣡वा꣢ नो अग्न ऊ꣣ति꣡भि꣢र्गाय꣣त्

सामवेद संहिता उत्तरार्चिकः

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग एकाह	156	UEK	15	1	क꣡स्ते꣢ जा꣣मि꣡र्जनाना꣣म꣢ग्ने
	157	UEK	15	2	इ꣣नो꣡ रा꣢जन्नर꣣तिः꣡ समिद्धो꣣
	158	UEK	15	3	अ꣡दा꣢भ्यः पुरए꣣ता꣢ वि꣣शा꣢म꣣ग्नि
	159	UEK	15	4	वि꣣शो꣡वि꣢शो वो꣣ अ꣡ति꣢थिं वाज꣣य
	160	UEK	16	1	अ꣣भि꣡ त्वा꣢ पू꣣र्व꣡पी꣢तय इ꣢न्द
	161	UEK	16	2	इ꣣मं꣡ मे꣢ वरुण श्रुधी꣣ ह꣡व꣢म꣣द
	162	UEK	16	3	उ꣣त꣡ नो꣢ गो꣣ष꣢णि꣣ धि꣡य꣢मश्व꣣स
	163	UEK	16	4	मा꣡ भे꣢म꣣ मा꣡ श्र꣢मिष्मो꣣ग्र꣡स
	164	UEK	17	1	वि꣡श्वे꣢भिरग्ने अ꣣ग्नि꣡भि꣢रि꣣म
	165	UEK	17	2	वा꣡यो꣢ शु꣣क्रो꣡ अ꣢यामि ते꣣ म꣢ध
	166	UEK	17	3	य꣣ज्ञ꣡ इन्द्रमवर्धय꣣द्यद्भूम
	167	UEK	17	4	न꣡म꣢स्ते अग्न꣣ ओ꣡ज꣢से गृ꣣ण꣡न्त
ऊह.ग आहीन	168	UAH	18	1	प꣡न्य꣢पन्य꣣मि꣡त्सो꣢तार꣣ आ꣡ धा
	169	UAH	18	2	इ꣣दं विष्णु꣣र्वि꣡ च꣢क्रमे त्र
	170	UAH	18	3	ए꣢दु꣣ म꣡धो꣢र्म꣣दि꣡न्त꣢रꣳसिञ्च꣣

	Qn#	Code	अध्य	खण्डः	Description
ऊह.ग सत्र	171	USAT	18	4	प꣡व꣢माना असृक्षत꣣ सो꣡माः꣢ शु꣣क
	172	USAT	19	1	अ꣣ग्निः꣢ प्र꣣त्ने꣢न꣣ ज꣡न्म꣢ना꣣
	173	USAT	19	2	प्र꣢ति꣣ ष्या꣢ सू꣣न꣢री꣣ ज꣡नी꣢ व
	174	USAT	19	3	अ꣣ग्निं꣡ तं मन्ये꣣ यो व꣣सु꣢र
	175	USAT	19	4	अ꣡बो꣢ध्य꣣ग्निः꣢ स꣣मि꣢धा꣣ ज꣡ना꣢
	176	USAT	19	5	ए꣣ता꣢ उ꣣ त्या꣢ उ꣣ष꣡सः꣢ के꣣तु꣡म
ऊह.ग प्रायश्चित्त	177	UPR	20	1	प्रा꣢स्य꣣ धा꣡रा꣢ अक्षर꣣न्वृ꣡ष्
	178	UPR	20	2	अ꣢ग्ने꣣ वि꣡व꣢स्वदु꣣ष꣡स꣢श्चि꣣त्
ऊह.ग क्षुद्र	179	UKS	20	3	उ꣡प꣢ नो꣣ ह꣡रि꣢भिः सु꣣तं꣢ या꣣हि
	180	UKS	20	4	प्रो꣡ ष्व꣢स्मै पुरोर꣣थ꣡मिन्द्र
ऊह.ग संवत्सर	181	USAM(R)	20	5	अ꣣ग्निं꣡ꣳ होतारं मन्ये꣣ दा꣡स्व
ऊह.ग आहीन	182	UAH(R)	20	6	प्र꣡ सो अग्ने꣣ त꣢वो꣣ति꣡भिः꣢ स
	183	UAH(R)	20	7	य꣡दि꣢न्द्रा꣣हं यथा꣣ त्वमीशीय
ऊह.ग क्षुद्र	184	UKS(R)	21	1	आ꣣शुः꣡ शिशानो वृष꣣भो न भी꣣मो